

bye-lanes behind Street No. 2, Shantiniketan Colony have already been called and the same are under process.

(b) The Corporation has stated that the back-lanes/bye-lanes behind Street No. 2 were cleared of bushes, malba, debris, etc. during the month of June, 1982. Action to keep the lanes and bye-lanes cleared of vegetations is taken as and when the same is required.

(c) As stated in Part (a) and (b) above.

Replacement of Sewer Line in Janak-Puri

2237. SHRI DHARAM DASS SHASTRI : Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the newly replaced sewer lines upto Dhau-li Piau, A-Block, Janakpuri, New Delhi need to be connected to main line on the Najafgarh Road by a 900 cm. wide pipe line in order to complete sewer improvement job of this part of Janakpuri Colony and bring relief to the residents ;

(b) whether it is also a fact that the above said work has not been undertaken by Municipal Corporation of Delhi due to delay in payment of settled amount of deficiency charge, approximately Rs. 25 lakhs by Delhi Development Authority ; and

(c) the steps that have been undertaken or proposed to be taken to complete this job of sewer improvement and redress long standing grievances of Janakpuri residents ?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

परीक्षण खेलों के लिए "क्लेपिजन" का आयात

2238. श्री दयाराम शाक्य : क्या खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एशियाड शूटिंग परीक्षण प्रतियोगिता के लिए सितम्बर 1982 में टोक्यो से क्लेपिजन का आयात किया गया है और यदि हां, तो इस पर कितनी धनराशि खर्च हुई है; और

(ख) क्या सरकार को यह जानकारी है कि आगरा में मिट्टी से सुन्दर कबूतर, अन्य पक्षी और खिलौने बनाए जाते हैं और ये वहां बड़ी मात्रा में सदैव उपलब्ध रहते हैं; और

(ग) यदि हां, तो टोक्यो से क्लेपिजन आयात करने के क्या कारण हैं ?

पूति मंत्रालय तथा खेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) सितम्बर, 1982 के दौरान शूटिंग के लिए वायुयान द्वारा क्लेपिजन के आयात पर किया गया व्यय 10,125.00 रुपये था।

(ख) और (ग) यद्यपि सरकार को यह जानकारी है कि देश में आगरा तथा बहुत से अन्य स्थानों पर अच्छे खिलौने बनाए जाते हैं फिर भी एशियाड, 82 के भाग के रूप में होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय शूटिंग जैसी प्रतियोगिताओं के लिए अपेक्षित क्लेपिजन स्वदेश में नहीं बनते हैं। अतः शूटिंग के लिए क्लेपिजन, जो वास्तव में क्लेप्लेट्स हैं तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के हैं, विदेश से आयात किए गए हैं।